CIJ–02/DFJK–02

June – Examination 2024

Certificate in Phalit Jyotish Examination

ज्योतिष द्वारा फलादेश की विधि

Paper : CIJ–02/DFJK–02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) युग किसे कहते हैं ?

   (ii) संवत्सर फल 05 आने पर क्या होता है ?

(iii) पंचांग के पाँच अंगों के नाम लिखिए।

(iv) क्षयाधिमास किसे कहते हैं ?

(v) पूर्णिमा किसे कहते हैं ?

(vi) षष्ठी तिथि के देवता कौन हैं ?

(vii) आँवला मिश्रित जल से स्नान कौन-कौनसी तिथि को नहीं किए जाते ?

(viii) किस वार का फल दिन और रात्रि में समान होता है ?

(ix) द्रेष्काण किसे कहते हैं ?

(x) मेष राशि का स्वामी कौनसा ग्रह है ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. ऋतुओं को सौरमास एवं चन्द्रमास के आधार पर विभाजित कीजिए।

3. उत्तरायण एवं दक्षिणायन में क्या अन्तर है ?

4. मलमास में करणीय एवं अकरणीय कर्मों को लिखिए।

5. प्रतिपदा एवं द्वितीया तिथि में निर्दिष्ट कर्मों का वर्णन कीजिए।

6. पक्षरन्ध्र तिथि का वर्णन कीजिए।

7. लग्नगण्डान्त एवं नक्षत्रगण्डान्त में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

8. स्थिरकारक ग्रह पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

9. नवमांश कुण्डली विचार को संक्षेप में समझाइए।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. तिथि किसे कहते हैं ? अमावस्या व पूर्णिमा के भेदों का वर्णन कीजिए।

11. वार किसे कहते हैं ? वारों में करणीय एवं अकरणीय कर्मों की विवेचना कीजिए।

12. चरकारक ग्रह पर एक विशद लेख लिखिए।

13. मंगलदोष किसे कहते हैं ? मंगलदोष परिहार पर एक लेख लिखिए।